(ख) से (ङ) जी, हां। इस योजना की समीक्षा करने के लिये भारत सरकार द्वारा 1988 में एक समिति गठित की गई थी। इस समिति की सिफारिशों के आधार पर योजना में निम्नलिखित संशोधन किये गये थे:—

(1) बीमांकित राशि को, ऋण की राशि के 150 प्रतिशत के पूर्व के प्रावधान से घटाकर फसल ऋण का 100 प्रतिशत कर दिया गया है, बशर्ते यह प्रति किसान अधिकतम 10000 रुपये हो ; तथा

(2) उपज की विभिन्नता पर निर्भर करते हुये क्षतिपूर्ति के अलग-अलग स्तर लागू किये गये।

"ड्रिप" सिंचाई प्रौद्योगिकी के अंतर्गत गुजरात को आबंटित धनराशि

470. **श्री अनन्तराय देवशंकर दवे** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान सरकार ने "ड्रिप" सिंचाई प्रौद्योगिकी के अन्तर्गत गुजरात के सूखाग्रस्त क्षेत्रों के किसानों तक इस प्रौद्योगिकी की सुविधा को पहुंचाने के लिये कितनी धनराशि आबंटित की है ;

(ख) क्या इस धनराशि का पूरा उपयोग किया गया है और अब तक की गई कार्यवाही का जिला-वार ब्यौरा क्या है ; और

(ग) सरकार इस राज्य के सभी गांवों तक इस प्रौद्योगिकी का विस्तार करने के लिये भविष्य में क्या-क्या कदम उठाने का विचार रखती है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) कृषि में प्लास्टिक के उपयोग की एक योजना के क्रियान्वयन के लिये भारत सरकार ने विगत तीन वर्षों में गुजरात सरकार को 703.12 लाख रुपये की राशि आवंटित और निर्मुक्त की है। इस योजना में ड्रिप सिंचाई प्रौद्योगिकी एक घटक के रूप में शामिल है।

(ख) गुजरात राज्य ने विगत तीन वर्षों में 513.38 लाख रुपये की राशि का उपयोग किसानों की सबसिडी के रूप में किया है। इसकी जिलावार उपलब्ध विवरण के रूप में संलग्न है। (नीचे देखिये)

(ग) ड्रिप सिंचाई प्रणाली की स्थापना को कार्यान्वित करने की एक योजना ग्राम स्तर पर पहले ही कार्यान्वित की जा रही है। यह योजना गुजरात के सभी जिलों में कार्यान्वित की जा रही है जिसमें राज्य के सूखा वाले क्षेत्रों के जिलों पर ज्यादा जोर दिया गया है।

विवरण

राज्य का नाम	ड्रिप सिंचाई के अन्तर्गत कवर किया गया क्षेत्र तथा पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रयुक्त की गई राशि (जिलावार)					
	1991–92		1992–93		1993–94	
	क्षेत्र (है०)	राशि (लाख रु०)	क्षेत्र (है०)	राशि (लाख रु०)	क्षेत्र (है०)	राशि (लाख रु०)
राजकोट	101	12.56	101	14.75	354	41.00
नागढ़	330	42.35	295	40.58	251	29.84
भावनगर	500	57.00	181	23.40	104	15.12

1	2	3	4	5	6	7
अमरेली	201	25.38	66	8.87	60	7.88
जामनगर	17	1.43	40	5.12	90	11.40
सुरेन्द्र नगर	46	6.72	50	7.63	30	4.99
कच्छ	17	2.73	132	19.11	57	9.44
मेहसाना	24	2.98	48	6.96	63	9.85
बनासकांठा	14	1.87	9	1.42	13	1.90
साबरकांठा	83	10.24	145	23.02	130	17.75
अहमदाबाद	56	8.72	106	17.02	38	6.02
गांधी नगर	23	2.78	14	2.17	91	14.38
कुल :	1412	174.76	1187	170.05	1201	168.57

कुल क्षेत्र--3880 हैक्टेयर ।

कुल राशि : 513.38 लाख रुपये ।

Shortfall in supply of Soyabean

471. SHRI SURESH KALMADI: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there is a shortfall in the supplies of Soyabean because of demage to its crops due to heavy rains in the producing areas; and

(b) if so, whether Government propose to allow imports of Soyabean to meet the shortfall in supplies?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI S. KRISHNA KUMAR): (a) Excess and continuous rains in Kharif 1994-95 affected Soyabean crop in the State of Madhya Pradesh and Maharashtra. According to preliminary estimate, the total production of Soyabean in the country during 1994-95 is expected to be 37.2 lakh tonnes against the target 40.0 lakh tonnes. Although, there is marginal shortfall in production but there is no shortfall in the supply of Soyabean at present.

(b) There is no proposal for the import of Soyabean at present.

Newspaper report on population of rats

472. SHRI VIREN J. SHAH: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether his attention has been drawn to a report published in the Observer of 7th October, 1994 captioned "30 rats every second";

(b) whether Indian Council of Agricultural Research (ICAR) has submitted its report about the population of rats in the country living in the farms and households;

(c) what is the extent of damage to foodgrains caused by rats living in farms; and

(d) what steps Government have taken or propose to take for controlling the population of rats and saving the foods-grains eaten by them?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI S. KRISHNA KUMAR): (a) Yes, Sir.

(b) No, Sir. No report has been asked for.

(c) A sample survey conducted under All India Coordinated Research Project (AICRP) on Rodent Control revealed that the extent of damage to food grain crops due to rodents varied from 0.02 to 21.5 per cent in various parts of the country.